Dan

Chapter 6

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Hebrew	Hindi	Strong's
שְׁפַר	भला-लगा	H8232
קֳדָם	के-सामने	H6925
דָּרְיָוֶשׁ	दारा-यावेश	H1868
וַהֲקִים	और-ठहराया	H6966
עַל־	पर	H5922
מַלְכוּתָא	राज्य	H4437
לַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא	सूबेदारों-को	H0324
מְאָה	सौ	H3969
וְעֶשְׂרִין	और-बीस	H6243
דִּי	जो	H1768
לֶהֱוֺן	हों	H1934
בְּכָל־	में-सारी	H3606
מַלְכוּתָא׃	राज्य	H4437

दारा के मन में विचार आया कि कितना अच्छा रहे यदि एक सौ बीस प्रांत—अधिपतियों के द्वारा समूचे राज्य की हुकूमत को चलाया जाये

2

Hebrew	Hindi	Strong's
וְעֵלָּא	और-ऊपर	H5924
מִנְּהוֹן	उनसे	H4481
סָרְכִין	अध्यक्ष	H5632
תְּלָתָה	तीन	H8532
דִּי	जिन-में	H1768
דָנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
חַד־	एक	H2298
מִנְּהוֹן	उनमें-से	H4481
דִּי־	जिससे	H1768
לֶהֱוֺן	हों	H1934
אֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא	सूबेदार	H0324
אִלֵּין	ये	H0459
יָהֲבִין	देते-थे	H3052
לְהוֹן	उनको	
טַעְמָא	हिसाब	H2941
וּמַלְכָּא	और-राजा	H4430
לָא־	नहीं	H3809
לֶהֱוֵא	हो	H1934
נָזִק׃	हानि-उठाए	H5142

और इसके लिये उसने उन एक सौ बीस प्रांत—अधिपतियों के ऊपर शासन करने के लिये तीन व्यक्तियों को अधिकारी नियुक्त कर दिया। इन तीनों देख—रेख करने वालों में एक था दानिय्येल। इन तीन व्यक्तियों की नियुक्ति राजा ने इसलिये की थी कि कोई उसके साथ छल न कर पाये और उसके राज्य की कोई भी हानि न हो।

3

Hebrew	Hindi	Strong's
אֱדַיִן	तब	H0116
דָּנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
דְּנָה	यह	H1836
הֲוָא	था	H1934
מִתְנַצַּח	उत्कृष्ट-था	H5330
עַל־	पर	H5922
סָרְכַיָּא	अध्यक्षों	H5632
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא	और-सूबेदारों	H0324
כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵל	कारण	H6903
דִּי	जो	H1768
רוּחַ	आत्मा	H7308
יַתִּירָא	उत्तम	H3493
בֵּהּ	उस-में-थी	
וּמַלְכָּא	और-राजा	H4430
עֲשִׁית	सोच-रहा-था	H6246
לַהֲקָמוּתֵהּ	उसे-ठहराने-को	H6966
עַל־	पर	H5922
כָּל־	सारी	H3606
מַלְכוּתָא׃	राज्य	H4437

दानिय्येल ने यह कर दिखाया कि वह दूसरे पर्यवेक्षकों से अधिक उत्तम है। दानिय्येल ने यह काम अपने अच्छे चरित्र और बड़ी योग्यताओं के द्वारा सम्पन्न किया। राजा दानिय्येल से इतना अधिक प्रभावित हुआ कि उसने दानिय्येल को सारी हुकूमत का हाकिम बनाने की सोची।

4

Hebrew	Hindi	Strong's
אֱדַיִן	तब	H0116
סָרְכַיָּא	अध्यक्ष	H5632
וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא	और-सूबेदार	H0324
הֲווֹ	थे	H1934
בָעַיִן	ढूंढ़-रहे-थे	H1156
עִלָּה	कारण	H5931
לְהַשְׁכָּחָה	पाने-के-लिए	H7912
לְדָנִיֵּאל	दानिय्येल-के-विरुद्ध	H1841
מִצַּד	पक्ष-से	H6655
מַלְכוּתָא	राज्य-के	H4437
וְכָל־	और-सब	H3606
עִלָּה	कारण	H5931
וּשְׁחִיתָה	और-भ्रष्टाचार	H7844
לָא־	नहीं	H3809
יָכְלִין	समर्थ-थे	H3202
לְהַשְׁכָּחָה	पाने-को	H7912
כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵל	कारण	H6903
דִּי־	जो	H1768
מְהֵימַן	विश्वासयोग्य	H0540
הוּא	था	H1932
וְכָל־	और-सब	H3606
שָׁלוּ	त्रुटि	H7960
וּשְׁחִיתָה	और-भ्रष्टाचार	H7844
לָא	नहीं	H3809
הִשְׁתְּכַחַת	पाई-गई	H7912
עֲלוֹהִי׃	उस-पर	H5922

किन्तु जब दूसरे पर्यवेक्षकों और प्रांत—अधिपतियों ने इसके बारे में सुना तो उन्हें दानिय्येल से ईर्ष्या होने लगी। वे दानिय्येल को कोसने के लिये कारण ढूँढने का जतन करने लगे। सो जब दानिय्येल सरकारी कामकाज से कहीं बाहर जाता तो वे उसके द्वारा किये गये कामों पर नज़र रखने लगे। किन्तु फिर भी वे दानिय्येल में कोई दोष नहीं ढूँढ़ पाये।सो वे उस पर कोई गलत काम करने का दोष नहीं लगा सके। दानिय्येल बहुत ईमानदार और भरोसेमंद व्यक्ति था। उसने राजा के साथ कभी कोई छल नहीं किया।वह कठिन परिश्रमी था।

5
אֱדַיִן तब H0116 · גֻּבְרַיָּא पुरुष H1400 · אִלֵּךְ वे H0479 · אָמְרִין कह-रहे-थे H0560 · דִּי कि H1768 · לָא नहीं H3809 · נְהַשְׁכַּח हम-पाएंगे H7912 · לְדָנִיֵּאל दानिय्येल-के-विरुद्ध H1841 · דְנָה यह H1836 · כָּל־ कोई H3606 · עִלָּא कारण H5931
לָהֵן जब-तक-नहीं H3861 · הַשְׁכַּחְנָה हम-पाएं H7912 · עֲלוֹהִי उस-पर H5922 · בְּדָת में-व्यवस्था H1882 · אֱלָהֵהּ׃ उसके-एलोहा-की H0426 · ס ।

> आखिरकार उन लोगों ने कहा, “दानिय्येल पर कोई बुरा काम करने का दोष लगाने की कोई वजह हम कभी नहीं ढूँढ़ पायेंगे। इसलिये हमें शिकायत के लिये कोई ऐसी बात ढूँढ़नी चाहिये जो उसके परमेश्वर के नियमों से सम्बंध रखती हो।”

6
אֱדַיִן तब H0116 · סָרְכַיָּא अध्यक्ष H5632 · וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא और-सूबेदार H0324 · אִלֵּן वे H0459 · הַרְגִּשׁוּ दौड़े H7284 · עַל־ पर H5922 · מַלְכָּא राजा H4430 · וְכֵן और-ऐसा H3652 · אָמְרִין कह-रहे-थे H0560 · לֵהּ उसे · דָּרְיָוֶשׁ दारा-यावेश H1868
מַלְכָּא राजा H4430 · לְעָלְמִין सदा-के-लिए H5957 · חֱיִי׃ जी H2418

> सो वे दोनों पर्यवेक्षक और वे प्रांत—अधिपति टोली बना कर राजा के पास गये। उन्होंने कहा, “हे राजा दारा, तुम अमर रहो!

7
אִתְיָעַטוּ मन्त्रणा-की · כֹּל सब H3606 · סָרְכֵי अध्यक्षों-ने H5632 · מַלְכוּתָא राज्य-के H4437 · סִגְנַיָּא हाकिमों H5460 · וַאֲחַשְׁדַּרְפְּנַיָּא और-सूबेदारों H0324 · הַדָּבְרַיָּא मन्त्रियों H1907 · וּפַחֲוָתָא और-राज्यपालों-ने H6347 · לְקַיָּמָה स्थापित-करने-को H6966
קְיָם नियम H7010 · מַלְכָּא राजा-का H4430 · וּלְתַקָּפָה और-दृढ़-करने-को H8631 · אֱסָר बन्धन H0633 · דִּי कि H1768 · כָל־ सब H3606 · דִּי־ जो H1768 · יִבְעֵה मांगे H1156 · בָעוּ मांग H1159 · מִן־ से H4481 · כָּל־ किसी H3606 · אֱלָהּ देवता H0426
וֶאֱנָשׁ या-मनुष्य H0606 · עַד־ तक H5705 · יוֹמִין दिनों H3118 · תְּלָתִין तीस H8533 · לָהֵן सिवाय H3861 · מִנָּךְ तुझसे H4481 · מַלְכָּא राजा H4430 · יִתְרְמֵא डाला-जाएगा H7412 · לְגֹב में-गुफा H1358 · אַרְיָוָתָא׃ सिंहों-के H0744

> हम सभी पर्यवेक्षक, हाकिम, प्रांत—अधिपति, मंत्री और राज्यपाल किसी एक बात पर सहमत हैं। हमारा विचार है कि राजा को यह नियम बना देना चाहिये और हर व्यक्ति को इस नियम का पालन करना चाहिये। वह नियम यह हैं: यदि अगले तीस दिनों तक कोई भी व्यक्ति हे राजा, आपको छोड़ किसी और देवता या व्यक्ति की प्रार्थना करे तो उस व्यक्ति को शेरों की माँद में डाल दिया जाये।

8
כְּעַן अब H3705 · מַלְכָּא राजा H4430 · תְּקִים स्थापित-कर H6966 · אֱסָרָא बन्धन-को H0633 · וְתִרְשֻׁם और-लिख-दे H7560 · כְּתָבָא लेख H3792 · דִּי जो H1768 · לָא नहीं H3809 · לְהַשְׁנָיָה बदलने-के-लिए H8133 · כְּדָת־ के-अनुसार-व्यवस्था H1882
מָדַי मादी-की H4076 · וּפָרַס और-पारस-की H6540 · דִּי־ जो H1768 · לָא नहीं H3809 · תֶעְדֵּא׃ टलती H5709

> अब हे राजा! जिस कागज पर यह नियम लिखा है, तुम उस पर हस्ताक्षर कर दो। इस तरह से यह नियम कभी बदला नहीं जा सकेगा। क्योंकि मीदियों और फ़ारसियों के नियम न तो बदले जा सकते हैं और न ही मिटाए जा सकते हैं।”

9
כָּל־ सब-के H3606 · קֳבֵל कारण H6903 · דְּנָה यह H1836 · מַלְכָּא राजा H4430 · דָּרְיָוֶשׁ दारा-यावेश-ने H1868 · רְשַׁם लिखा H7560 · כְּתָבָא लेख H3792 · וֶאֱסָרָא׃ और-बन्धन H0633

> सो राजा दारा ने यह नियम बना कर उस पर हस्ताक्षर कर दिये।

10	וְדָנִיֵּאל	और-दानिय्येल	H1841
	כְּדִי	जब	H1768
	יְדַע	जाना	H3046
	דִּי־	कि	H1768
	רְשִׁים	लिखा-गया-है	H7560
	כְּתָבָא	लेख	H3792
	עַל	गया	H5954
	לְבַיְתֵהּ	में-अपने-घर	H1005
	וְכַוִּין	और-खिड़कियां	H3551
	פְּתִיחָן	खुली-थीं	H6606
	לֵהּ	उसके-लिए	
	בְּעִלִּיתֵהּ	अपनी-अटारी-में	H5952
	נֶגֶד	की-ओर	H5049
	יְרוּשְׁלֶם	यरूशलेम	H3390
	וְזִמְנִין	और-समयों	H2166
	תְּלָתָה	तीन	H8532
	בְיוֹמָא	में-दिन	H3118
	הוּא	वह	H1932
	בָּרֵךְ	घुटने-टेकता-था	H1289
	עַל־	पर	H5922
	בִּרְכוֹהִי	अपने-घुटनों	H1291
	וּמְצַלֵּא	और-प्रार्थना-करता-था	H6739
	וּמוֹדֵא	और-धन्यवाद-करता-था	H3029
	קֳדָם	के-सामने	H6925
	אֱלָהֵהּ	अपने-एलोहा	H0426
	כָּל־	सब-के	H3606
	קֳבֵל	कारण	H6903
	דִּי־	जो	H1768
	הֲוָא	वह-था	H1934
	עָבֵד	करता	H5648
	מִן־	से	H4481
	קַדְמַת	पहले	H6928
	דְּנָה׃	यह	H1836
	ס	।	

दानिय्येल तो सदा ही प्रतिदिन तीन बार परमेश्वर से प्रार्थना किया करता था। हर दिन तीन बार दानिय्येल अपने घुटनों के बल झुक कर अपने परमेश्वर की प्रार्थना करता और उसका गुणगान करता था। दानिय्येल ने जब इस नये नियम के बारे में सुना तो वह अपने घर चला गया । दानिय्येल अपने मकान की छत के ऊपर, अपने कमरे में चला गया। दानिय्येल उन खिड़कियों के पास गया जो यरूशलम की ओर खुलती थीं। फिर वह अपने घटनों के बल झुका जैसे सदा किया करता था, उसने वैसे ही प्रार्थना की।

11	אֱדַיִן	तब	H0116
	גֻּבְרַיָּא	पुरुष	H1400
	אִלֵּךְ	वे	H0479
	הַרְגִּשׁוּ	दौड़े	H7284
	וְהַשְׁכַּחוּ	और-पाया	H7912
	לְדָנִיֵּאל	दानिय्येल-को	H1841
	בָּעֵא	माँगता-हुआ	H1156
	וּמִתְחַנַּן	और-विनती-करता-हुआ	H2604
	קֳדָם	के-सामने	H6925
	אֱלָהֵהּ׃	अपने-एलोहा	H0426

फिर वे लोग झुण्ड बना कर दानिय्येल के यहाँ जा पहुँचे। वहाँ उन्होंने दानिय्येल को प्रार्थना करते और परमेश्वर से दया माँगते पाया।

12	בֵּאדַיִן	तब	H0116
	קְרִיבוּ	आए	H7127
	וְאָמְרִין	और-कहा	H0560
	קֳדָם־	के-सामने	H6925
	מַלְכָּא	राजा	H4430
	עַל־	के-बारे-में	H5922
	אֱסָר	बन्धन	H0633
	מַלְכָּא	राजा-के	H4430
	הֲלָא	क्या-नहीं	H3809
	אֱסָר	बन्धन	H0633
	רְשַׁמְתָּ	लिखा-था-तूने	H7560
	דִּי	कि	H1768
	כָל־	सब	H3606
	אֱנָשׁ	मनुष्य	H0606
	דִּי־	जो	H1768
	יִבְעֵה	मांगे	H1156
	מִן־	से	H4481
	כָּל־	किसी	H3606
	אֱלָהּ	देवता	H0426
	וֶאֱנָשׁ	या-मनुष्य	H0606
	עַד־	तक	H5705
	יוֹמִין	दिनों	H3118
	תְּלָתִין	तीस	H8533
	לָהֵן	सिवाय	H3861
	מִנָּךְ	तुझसे	H4481
	מַלְכָּא	राजा	H4430
	יִתְרְמֵא	डाला-जाएगा	H7412
	לְגוֹב	में-गुफा	H1358
	אַרְיָוָתָא	सिंहों-के	H0744
	עָנֵה	बोला	H6032
	מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
	וְאָמַר	और-कहा	H0560
	יַצִּיבָא	सच्ची-है	H3330
	מִלְּתָא	बात	H4406
	כְּדָת־	के-अनुसार-व्यवस्था	H1882
	מָדַי	मादी-की	H4076
	וּפָרַס	और-पारस-की	H6540
	דִּי־	जो	H1768
	לָא	नहीं	H3809
	תֶעְדֵּא׃	टलती	H5709

बस फिर क्या था। वे लोग राजा के पास जा पहुँचे और उन्होंने राजा से उस नियम के बारे में बात की जो उसने बनाया था। उन्होंने कहा, “हे राजा दारा, आपने एक नियम बनाया है। जिसके अनुसार अगले तीस दिनों तक यदि कोई व्यक्ति किसी देवता से अथवा तेरे अतिरिक्त किसी व्यक्ति से प्रार्थना करता है तो, राजन, उसे शेरों की माँद में फेंकवा दिया जायेगा। बताइये क्या आपने इस नियम पर हस्ताक्षर नहीं किये थे” राजा ने उत्तर दिया, “हाँ, मैंने उस नियम पर हस्ताक्षर किये थे और मादियों और फारसियों के नियम अटल होते हैं। न तो वे बदले जा सकते हैं, और न ही मिटाये जा सकते हैं।”

13	בֵּאדַיִן	तब	H0116
	עֲנוֹ	बोले	H6032
	וְאָמְרִין	और-कहा	H0560
	קֳדָם	के-सामने	H6925
	מַלְכָּא	राजा	H4430
	דִּי	कि	H1768
	דָנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
	דִּי	जो	H1768
	מִן־	से	H4481
	בְּנֵי	बनी	H1123
	גָלוּתָא	बन्धुवाई-के	H1547
	דִּי	जो	H1768
	יְהוּד	यहूदा	H3061
	לָא־	नहीं	H3809
	שָׂם	रखा	H7761
	[עליך]	[तुझ-पर]	H5922
	(עֲלָךְ)	(तुझ-पर)	H5921
	מַלְכָּא	राजा	H4430
	טְעֵם	ध्यान	H2942
	וְעַל־	और-पर	H5922
	אֱסָרָא	बन्धन	H0633
	דִּי	जो	H1768
	רְשַׁמְתָּ	तूने-लिखा-है	H7560
	וְזִמְנִין	और-समयों	H2166
	תְּלָתָה	तीन	H8532
	בְּיוֹמָא	में-दिन	H3118
	בָּעֵא	माँगता-है	H1156
	בָּעוּתֵהּ׃	अपनी-मांग	H1159

इस पर उन लोगों ने राजा से कहा, “दानिय्येल नाम का वह व्यक्ति आपकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा है। दानिय्येल यहूदा के बन्दियों में से एक हैं। जिस नियम पर आपने हस्ताक्षर किये हैं, दानिय्येल उस पर ध्यान नहीं दे रहा है। दानिय्येल अभी भी हर दिन तीन बार अपने परमेश्वर की प्रार्थना करता है।”

14

אֱדַיִן	तब	H0116
מַלְכָּא	राजा	H4430
כְּדִי	जब	H1768
מִלְּתָא	बात	H4406
שְׁמַע	सुना	H8086
שַׂגִּיא	बहुत	H7690
בְּאֵשׁ	में-बुरा	H0888
עֲלוֹהִי	उस-पर	H5922
וְעַל	और-पर	H5922
דָּנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
שָׂם	रखा	H7761
בָּל	मन	H1079
לְשֵׁיזָבוּתֵהּ	उसे-बचाने-के-लिए	H7804
וְעַד	और-तक	H5705
מֶעָלֵי	शाम	H4606
שִׁמְשָׁא	सूर्यास्त-के	H8122
הֲוָא	था	H1934
מִשְׁתַּדַּר	प्रयास-करता	H7712
לְהַצָּלוּתֵהּ׃	उसे-छुड़ाने-के-लिए	H5338

राजा ने जब सुना तो बहुत दु:खी और व्याकुल हो उठा। राजा ने दानिय्येल को बचाने की ठान ली। दानिय्येल को बचाने की कोई उपाय सोचते सोचते उसे शाम हो गयी।

15

בֵּאדַיִן	तब	H0116
גֻּבְרַיָּא	पुरुष	H1400
אִלֵּךְ	वे	H0479
הַרְגִּשׁוּ	दौड़े	H7284
עַל־	पर	H5922
מַלְכָּא	राजा	H4430
וְאָמְרִין	और-कहा	H0560
לְמַלְכָּא	से-राजा	H4430
דַּע	जान	H3046
מַלְכָּא	राजा	H4430
דִּי־	कि	H1768
דָת	व्यवस्था	H1882
לְמָדַי	की-मादी-की	H4076
וּפָרַס	और-पारस-की	H6540
דִּי־	कि	H1768
כָל־	सब	H3606
אֱסָר	बन्धन	H0633
וּקְיָם	और-नियम	H7010
דִּי־	जो	H1768
מַלְכָּא	राजा	H4430
יְהָקֵים	स्थापित-करे	H6966
לָא	नहीं	H3809
לְהַשְׁנָיָה׃	बदलने-के-लिए	H8133

इसके बाद वे लोग झुण्ड बना कर राजा के पास पहुँचे। उन्होंने राजा से कहा, “हे राजन, मादियों और फ़ारसियों की व्यवस्था के अनुसार जिस नियम अथवा आदेश पर राजा हस्ताक्षर कर दे, वह न तो कभी बदला जा सकता है और न ही कभी मिटाया जा सकता है।”

16

בֵּאדַיִן	तब	H0116
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
אֲמַר	आज्ञा-दी	H0560
וְהַיְתִיו	और-लाया-गया	H0858
לְדָנִיֵּאל	दानिय्येल-को	H1841
וּרְמוֹ	और-डाला-गया	H7412
לְגֻבָּא	में-गुफा	H1358
דִּי	जो	H1768
אַרְיָוָתָא	सिंहों-का	H0744
עָנֵה	बोला	H6032
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
וְאָמַר	और-कहा	H0560
לְדָנִיֵּאל	से-दानिय्येल	H1841
אֱלָהָךְ	तेरा-एलोहा	H0426
דִּי	जिसकी	H1768
]אנתה[	[तू]	H0607
)אַנְתְּ(	(तू)	H0607
פָּלַח־	सेवा-करता-है	H6399
לֵהּ	उसकी	
בִּתְדִירָא	लगातार	H8411
הוּא	वह	H1932
יְשֵׁיזְבִנָּךְ׃	तुझे-छुड़ाएगा	H7804

सो राजा दारा ने आदेश दे दिया। वे लोग दानिय्येल को पकड़ लाये और उसे शेरों की मांद में फेंक दिया। राजा ने दानिय्येल से कहा, “मुझे आशा है कि तू जिस परमेश्वर की सदा उपासना करता है, वह तेरी रक्षा करेगा।”

17

וְהֵיתָיִת	और-लाया-गया	H0858
אֶבֶן	पत्थर	H0069
חֲדָה	एक	H2298
וְשֻׂמַת	और-रखा-गया	H7761
עַל־	पर	H5922
פֻּם	मुख	H6433
גֻּבָּא	गुफा-के	H1358
וְחַתְמַהּ	और-मुहर-लगाई	H2857
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
בְּעִזְקְתֵהּ	अपनी-मुद्रिका-से	H5824
וּבְעִזְקָת	और-मुद्रिका-से	H5824
רַבְרְבָנוֹהִי	उसके-प्रधानों-की	H7261
דִּי	जिससे	H1768
לָא־	नहीं	H3809
תִשְׁנֵא	बदले	H8133
צְבוּ	इच्छा	H6640
בְּדָנִיֵּאל׃	दानिय्येल-के-बारे-में	H1841

एक बड़ा सा पत्थर लाया गया और उसे शेरों की मांद के द्वार पर अड़ा दिया गया। फिर राजा ने अपनी अंगूठी ली और उस पत्थर पर अपनी मुहर लगा दी। साथ ही उसने अपने हाकिमों की अंगूठियों की मुहरें भी उस पत्थर पर लगा दीं। इसका यह अभिप्राय था कि उस पत्थर को कोई भी हटा नहीं सकता था और शेरों की उस माँद से दानिय्येल को बाहर नहीं ला सकता था।

18

אֱדַיִן	तब	H0116
אֲזַל	गया	H0236
מַלְכָּא	राजा	H4430
לְהֵיכְלֵהּ	अपने-महल-में	H1965
וּבָת	और-रहा	H0956
טְוָת	उपवास-करके	H2908
וְדַחֲוָן	और-मनोरंजन	H1761
לָא־	नहीं	H3809
הַנְעֵל	लाई-गई	H5954
קֳדָמוֹהִי	उसके-सामने	H6925
וְשִׁנְתֵהּ	और-उसकी-नींद	H8139
נַדַּת	भाग-गई	H5075
עֲלוֹהִי׃	उस-पर-से	H5922

इसके बाद राजा दारा अपने महल को वापस चला गया। उस रात उसने खाना नहीं खाया। वह नहीं चाहता था कि कोई उसके पास आये और उसका मन बहलाये। राजा सारी रात सो नहीं पाया।

19

בֵּאדַיִן	तब	H0116
מַלְכָּא	राजा	H4430
בִּשְׁפַּרְפָּרָא	भोर-को	H8238
יְקוּם	उठा	H6966
בְּנָגְהָא	उजाले-में	H5053
וּבְהִתְבְּהָלָה	और-जल्दी-में	H0927
לְגֻבָּא	गुफा-के-पास	H1358
דִּי־	जो	H1768
אַרְיָוָתָא	सिंहों-के	H0744
אֲזַל׃	गया	H0236

अगली सुबह जैसे ही सूरज का प्रकाश फैलने लगा, राजा दारा जाग गया और शेरों की माँद की ओर दौड़ा।

20

וּכְמִקְרְבֵהּ	और-जब-वह-नजदीक-आया	H7127
לְגֻבָּא	गुफा-के	H1358
לְדָנִיֵּאל	दानिय्येल-के-लिए	H1841
בְּקָל	आवाज-से	H7032
עֲצִיב	दुखी	H6088
זְעִק	चिल्लाया	H2200
עָנֵה	बोला	H6032
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
וְאָמַר	और-कहा	H0560
לְדָנִיֵּאל	से-दानिय्येल	H1841
דָּנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
עֲבֵד	दास	H5649
אֱלָהָא	एलोहा-के	H0426
חַיָּא	जीवित	H2417
אֱלָהָךְ	तेरा-एलोहा	H0426
דִּי	जिसकी	H1768
[אנתה]	[तू]	H0607
(אַנְתְּ)	(तू)	H0607
פָּלַח־	सेवा-करता-है	H6399
לֵהּ	उसकी	
בִּתְדִירָא	लगातार	H8411
הֲיִכִל	समर्थ-हुआ-क्या	H3202
לְשֵׁיזָבוּתָךְ	तुझे-छुड़ाने-को	H7804
מִן־	से	H4481
אַרְיָוָתָא׃	सिंहों	H0744

राजा बहुत चिंतित था। राजा जब शेरों की मांद के पास गया तो वहाँ उसने दानिय्येवल को ज़ोर से आवाज़ लगाई। राजा ने कहा, “हे दानिय्येल, हे जीवित परमेश्वर के सेवक, क्या तेरा परमेश्वर तुझे शेरों से बचा पाने में समर्थ हो सका है तू तो सदा ही अपने परमेश्वर की सेवा करता रहा है।”

21

אֱדַיִן	तब	H0116
דָּנִיֵּאל	दानिय्येल-ने	H1841
עִם־	साथ	H5974
מַלְכָּא	राजा-के	H4430
מַלִּל	बोला	H4449
מַלְכָּא	राजा	H4430
לְעָלְמִין	सदा-के-लिए	H5957
חֱיִי׃	जी	H2418

दानिय्येल ने उत्तर दिया, “राजा, अमर रहे!

22

אֱלָהִי	मेरे-एलोहा-ने	H0426
שְׁלַח	भेजा	H7972
מַלְאֲכֵהּ	अपना-दूत	H4398
וּסֲגַר	और-बन्द-किया	H5463
פֻּם	मुख	H6433
אַרְיָוָתָא	सिंहों-का	H0744
וְלָא	और-नहीं	H3809
חַבְּלוּנִי	उन्होंने-मुझे-हानि-पहुंचाई	H2255
כָּל־	सब-के	H3606
קֳבֵל	कारण	H6903
דִּי	जो	H1768
קָדָמוֹהִי	उसके-सामने	H6925
זָכוּ	निर्दोषता	H2136
הִשְׁתְּכַחַת	पाई-गई	H7912
לִי	मुझ-में	
וְאַף	और-भी	H0638
[קדמיך]	[तेरे-सामने]	H6925
(קֳדָמָךְ)	(तेरे-सामने)	H6925
מַלְכָּא	राजा	H4430
חֲבוּלָה	हानि	H2248
לָא	नहीं	H3809
עַבְדֵת׃	मैंने-की	H5648

मेरे परमेश्वर ने मुझे बचाने के लिये अपना स्वर्गदुत भेजा था। उस स्वर्गदूत ने शेरों के मुँह बन्द कर दिये। शेरों ने मुझे कोई हानि नही पहुँचाई क्योंकि मेरा परमेश्वर जानता है कि मैं निरपराध हूँ। मैंने राजा के प्रति कभी कोई बुरा नही किया है।”

23

בֵּאדַיִן	तब	H0116
מַלְכָּא	राजा	H4430
שַׂגִּיא	बहुत	H7690
טְאֵב	प्रसन्न-हुआ	H2868
עֲלוֹהִי	उस-पर	H5922
וּלְדָנִיֵּאל	और-दानिय्येल-को	H1841
אֲמַר	आज्ञा-दी	H0560
לְהַנְסָקָה	निकालने-को	H5267
מִן־	से	H4481
גֻּבָּא	गुफा	H1358
וְהֻסַּק	और-निकाला-गया	H5267
דָּנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
מִן־	से	H4481
גֻּבָּא	गुफा	H1358
וְכָל־	और-सब	H3606
חֲבָל	हानि	H2257
לָא־	नहीं	H3809
הִשְׁתְּכַח	पाई-गई	H7912
בֵּהּ	उस-में	
דִּי	क्योंकि	H1768
הֵימִן	विश्वास-किया	H0540
בֵּאלָהֵהּ׃	अपने-एलोहा-में	H0426

राजा दारा बहुत प्रसन्न था। राजा ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे दानिय्येल को शेरों की माँद से बाहर खींच लें। जब दानिय्येल को शेरों की माँद से बाहर लाया गया तो उन्हें उस पर कहीं कोई घाव नहीं दिखाई दिया। शेरों ने दानिय्येल को कोई हानि नहीं पहुँचाई थी क्योंकि दानिय्येल को अपने परमेश्वर पर विश्वास था।

24

וַאֲמַר	और-आज्ञा-दी	H0560
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
וְהַיְתִיו	और-लाए-गए	H0858
גֻּבְרַיָּא	पुरुष	H1400
אִלֵּךְ	वे	H0479
דִּי־	जिन्होंने	H1768
אֲכַלוּ	खाई-थी	H0399
קַרְצוֹהִי	चुगली	H7170
דִּי	की	H1768
דָנִיֵּאל	दानिय्येल	H1841
וּלְגֹב	और-गुफा-में	H1358
אַרְיָוָתָא	सिंहों-के	H0744
רְמוֹ	डाले-गए	H7412
אִנּוּן	वे	
בְּנֵיהוֹן	उनके-बेटे	H1123
וּנְשֵׁיהוֹן	और-उनकी-पत्नियां	H5389
וְלָא־	और-नहीं	H3809
מְטוֹ	पहुंचे	H4291
לְאַרְעִית	तले-तक	H0773
גֻּבָּא	गुफा-के	H1358
עַד	जब-तक	H5705
דִּי־	कि	H1768
שְׁלִטוּ	झपट-पड़े	H7981
בְהוֹן	उन-पर	
אַרְיָוָתָא	सिंहों-ने	H0744
וְכָל־	और-सब	H3606
גַּרְמֵיהוֹן	उनकी-हड्डियां	H1635
הַדִּקוּ׃	चूर-दिए	H1855

इसके बाद राजा ने उन लोगों को जिन्होंने दानिय्येल पर अभियोग लगा कर उसे शेरों की माँद में डलवाया था, बुलवाने का आदेश दिया और उन लोगों को, उनकी पत्नियों को और उनके बच्चों को शेरों की माँद में फेंकवा दिया गया। इससे पहले कि वे शेरों की मांद में धरती पर गिरते, शेरों ने उन्हें दबोच लिया। शेर उनके शरीरों को खा गये और फिर उनकी हड्डियों को भी चबा गये।

25

בֵּאדַיִן	तब	H0116
דָּרְיָוֶשׁ	दारा-यावेश	H1868
מַלְכָּא	राजा-ने	H4430
כְּתַב	लिखा	H3790
לְכָל־	को-सब	H3606
עַמְמַיָּא	लोगों	H5972
אֻמַיָּא	जातियों	H0524
וְלִשָּׁנַיָּא	और-भाषाओं	H3961
דִּי־	जो	H1768
[דארין]	[रहते]	H1753
(דָּיְרִין)	(रहते-हैं)	H1753
בְּכָל־	में-सारी	H3606
אַרְעָא	पृथ्वी	H0772
שְׁלָמְכוֹן	तुम्हारी-शान्ति	H8001
יִשְׂגֵּא׃	बढ़े	H7680

इस पर राजा दारा ने सारी धरती के लोगों, दूसरी जाति के विभिन्न भाषा बोलनेवालों को यह पत्र लिखा: शुभकामनाएँ।

26

מִן־	से	H4481
קֳדָמַי	मेरे-सामने	H6925
שִׂים	रखा-गया	H7761
טְעֵם	आज्ञा	H2942
דִּי	कि	H1768
בְּכָל־	में-सब	H3606
שָׁלְטָן	प्रभुत्व	H7985
מַלְכוּתִי	मेरे-राज्य-के	H4437
לֶהֱוֺן	हों	H1934
[זאעין]	[कांपते]	H2112
(זָיְעִין)	(कांपते)	H2112
וְדָחֲלִין	और-डरते	H1763
מִן־	से	H4481
קֳדָם	सामने	H6925
אֱלָהֵהּ	उसके-एलोहा-के	H0426
דִּי־	जो	H1768
דָנִיֵּאל	दानिय्येल-का	H1841
דִּי־	क्योंकि	H1768
הוּא	वही	H1932
אֱלָהָא	एलोहा	H0426
חַיָּא	जीवित	H2417
וְקַיָּם	और-स्थिर	H7011
לְעָלְמִין	सदा-के-लिए	H5957
וּמַלְכוּתֵהּ	और-उसका-राज्य	H4437
דִּי־	जो	H1768
לָא	नहीं	H3809
תִתְחַבַּל	नष्ट-होगा	H2255
וְשָׁלְטָנֵהּ	और-उसका-प्रभुत्व	H7985
עַד־	तक	H5705
סוֹפָא׃	अन्त	H5491

मैं एक नया नियम बना रहा हूँ। मेरे राज्य के हर भाग के लोगों के लिये यह नियम होगा। तुम सभी लोगों को दानिय्येल के परमेश्वर का भय मानना चाहिये और उसका आदर करना चाहिये। दानिय्येल का परमेश्वर जीवित परमेश्वर है। परमेश्वर सदा—सदा अमर रहता है! साम्राज्य उसका कभी समाप्त नहीं होगा उसके शासन का अन्त कभी नहीं होगा

27

מְשֵׁיזִב	छुड़ानेवाला	H7804
וּמַצִּל	और-बचानेवाला	H5338
וְעָבֵד	और-करनेवाला	H5648
אָתִין	चिह्न	H0852
וְתִמְהִין	और-आश्चर्यकर्म	H8540
בִּשְׁמַיָּא	में-आकाश	H8065
וּבְאַרְעָא	और-पृथ्वी-में	H0772
דִּי	जिसने	H1768
שֵׁיזִיב	छुड़ाया	H7804
לְדָנִיֵּאל	दानिय्येल-को	H1841
מִן־	से	H4481
יַד	हाथ	H3028
אַרְיָוָתָא׃	सिंहों-के	H0744

परमेश्वर लोगों को बचाता है और रक्षा करता है। स्वर्ग में और धरती के ऊपर परमेश्वर अद्भुत आश्चर्यपूर्ण कर्म करता है! परमेश्वर ने दानिय्येल को शेरों से बचा लिया।

28

וְדָנִיֵּאל	और-दानिय्येल	H1841
דְּנָה	यह	H1836
הַצְלַח	सफल-हुआ	H6744
בְּמַלְכוּת	में-राज्य	H4437
דָּרְיָוֶשׁ	दारा-यावेश-के	H1868
וּבְמַלְכוּת	और-में-राज्य	H4437
כּוֹרֶשׁ	कोरेश	H3567
[פרסיא]	[पारसी]	H6543
(פָּרְסָאָה)׃	(पारसी-के)	H6543

פ
।

इस तरह जब दारा का राजा था और जिन दिनों फारसी राजा कुस्रू की हूकुमत थी, दानिय्येल ने सफलता प्राप्त की।